**TDC Even Semester Exam., 2019**

HINDI

( Honours )

**( 6th Semester )**

Course No. : HINH–602

**( Swatantrayottar Katha Sahitya )**

*Full Marks* : 50
*Pass Marks* : 17

*Time* : 2 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए

**1.** 'बलचनमा' में वर्णित ग्रामीण यथार्थ पर प्रकाश डालिए। 10

**अथवा**

'''बलचनमा' उपन्यास सामंती समाज का सजीव चित्रण है।'' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

**2.** '''अनाम दास का पोथा' उपन्यास जिजीविषा और जीवन संग्राम का संदेश देता है।'' स्पष्ट कीजिए। 10

**अथवा**

उपन्यास-कला की दृष्टि से 'अनाम दास का पोथा' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।





**3.** कहानी-कला के आधार पर 'तिरिछ' कहानी की समीक्षा कीजिए। 10

**अथवा**

कहानीकार के रूप में फणीश्वरनाथ रेणु का मूल्यांकन कीजिए।

**4.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2=10

(क) बलचनमा की चारित्रिक विशेषताएँ

(ख) उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ग) कहानीकार अमरकांत

(घ) 'रसप्रिया' कहानी में व्यक्त आंचलिकता

**5.** निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 10

(क) ''पर सब योगी नहीं होते। क्यों, जानते? क्योंकि एकाग्र नहीं हो पाते। एक ही विषय का ध्यान, उसी की धारणा और उसी की समाधि—इसी का नाम एकाग्रता है। ध्यान किसी और का, धारणा किसी दूसरे की, और समाधि किसी अन्य की हुई तो 'योग' कहाँ हुआ? ध्यान, धारणा और समाधि एकाग्र हो जायें तो योग हो जाता है।''

(ख) उस वक्त मौत को सामने देखकर घिरनी की तरह मेरा दिमाग नाच रहा था... बेटी, औरत, माँ, गन्ने की खड़ी फसल, पलानी में सोए हुए भोलंटियर की जिनके मुँहों

में शायद कपड़े ठूँस दिये गये हैं, और कमाने वाला खाएगा, इसके चलते जो कुछ हो... धरती किसकी? जोत–बोए उसकी! किसान की आज़ादी आसमान से उतरकर नहीं आएगी, वह परगट होगी नीचे जुती धरती के भुरभुरे ढेलों को फोड़कर... बूढ़ा सीसम अब भी झुककर मेरा कपार चूम रहा है... कि इतने में आसरम के पिछवाड़े से दौड़कर एक और आदमी आया, उसके हाथ में नेपाली खुखरी थी।

(ग) पहली वर्षा में भीगी हुई धरती के हरे-भरे पौधों से एक खास किस्म की गंध निकलती है। तपती दोपहरी में मोम की तरह गल उठती थी—रस की डाली। वे गाने लगते थे बिरहा, चाँचर, लगनी। खेती में काम करते हुए गाने वाले गीत भी समय-असमय का ख्याल करके गाये जाते थे।

★ ★ ★